

आजाद सिपाही

कलम कलम बढ़ाये जा



जी-20: भारत को मिली बड़ी कामयाबी घोषणा पत्र पर सभी सदस्य देश सहमत



घोषणा पत्र की मुख्य बातें

- नयी दिल्ली घोषणा पत्र को मिली मंजूरी
- नौ बार आतंकवाद, चार बार यूक्रेन का जिक्र
- भारत के प्रस्ताव पर आफ्रीकन यूनियन जी 20 का स्थायी सदस्य बना
- क्रिटोकरेसी को लेकर एक वैशिक बनाने को लेकर बातचीत की जायेगी।
- कर्ज को लेकर बेहतर व्यवस्था बनाने को लेकर भारत ने कॉमन फ्रेमर्क बनाने की बात पर जोर दिया है।
- दुनिया में तेजी से विकास करने वाले शहरों को फंड किया जायेगा।
- ग्रीन और लॉन्कार्बन एनर्जी टेक्नोलॉजी पर काम किया जायेगा।
- सभी देशों ने आतंकवाद के हर रूप की आलोचना की है।
- आतंकवाद का नौ बार जिक्र किया गया।

आजाद सिपाही संचादाता

नयी दिल्ली। नयी दिल्ली में जारी जी-20 समिट के पहले दिन शनिवार को ही साझा घोषणा पत्र पर सहमति बन गयी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को दूसरे सत्र की शुरुआत में बतौर अध्यक्ष यह जाकरी दी। इसके बाद उन्होंने सभी सदस्य देशों की सहमति से नयी दिल्ली में जारी घोषणा पत्र पर जारी परित कर दिया।

जी-20 का साझा घोषणा पत्र 37 पेज का है। इसमें कुल 83 पैराग्राफ

उन्होंने कहा कि सभी नेताओं ने माना है कि जी-20 राजनीतिक मुद्दों हैं। इसे ही नयी दिल्ली घोषणा पत्र पर विचार करने का लेटफॉर्म नहीं कहा गया है। घोषणा पत्र पास होने के बाद विदेश मंत्री एवं जयशंकर ने अहम मुद्दों को चर्चा की है।

भारत के प्रस्ताव पर आफ्रीकन यूनियन को जी 20 की घोषणा पत्र को मंजूर किया है।

स्थायी सदस्यता : शिखर बैठक के पहले सत्र में भारत ने अफ्रीकन यूनियन को जी-20 का स्थायी बनाने का प्रस्ताव रखा था। बतौर अध्यक्ष सभी देशों की सहमति से अपर्सी चर्चा से विश्वास के इस संकट को भी दूर सकते हैं। ये सभी के लिए एक चलाने का समय है। मोदी ने कहा कि संकट के इस समय में दुनिया हमसे नये समाधान मांग रही है। इसलिए हमें अपना हर दायित्व निवारते हुए आगे बढ़ना है। उन्होंने कहा कि दुनिया को दिखा दिया था। आज हम जिस जगह इकट्ठा हुए हैं, वहाँ कुछ किमी दूर हाइजार साल पुराना संतंभ है। इस प्रकृत भाषा में लिखा है कि नयी दिल्ली में जारी निवारते हुए भारत को कल्पना का कल्पना सदैव

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

- एतिहासिक समझौता किया गया। भारत ने क्रोकिटिविटी को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। हम इसे क्षेत्री सीमाओं में नहीं बांधते हैं।
- क्रोकिटिविटी सभी देशों में विश्वास बढ़ाने का स्रोत है। इसमें सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय एकता का समान होना जरूरी है।
- क्रोकिटिविटी को बढ़ाना भारत की प्राथमिकता है। भारत में आधारभूत संरचनाओं में निवेश हो रहा है।
- हम आने वाली पीढ़ियों के विकास के बीज बो रहे हैं। मैं इस मौके पर सभी का धन्यवाद करता हूँ।
- ग्लोबल साउथ के देशों में इंकास्ट्रक्टर और इंकास्ट्रक्टर विकास का आधार है।
- भारत-मध्य पूर्व यूरोप क्रोकिटिविटी कोरिडोर शुरू होगा।
- शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री अलंग-अलंग विश्व नेताओं से मिले और उनके साथ फोटो सेशन कराया।

सुनिश्चित किया जाये। दौर्वा हजार साल पहले भारत की धरती ने यह बाइडेन, बांग्लादेश की प्रधानमंत्री संदेश पूरी दुनिया को दिखा था। 21वीं सदी का यह समय पूरी है, यहाँ कुछ किमी दूर हाइजार साल पुराना संतंभ है। इस प्रकृत भाषा में लिखा है कि नयी दिल्ली (ग्लोबल अमेरिकी राष्ट्रपति को बढ़ाना प्राथमिकता है)।

KUNDAN MARBLE & SANITATIONS



HOUSE OF :
Marbles, Tiles Granites, Kota
Cuddappa & Sanitary Ware
Contact for 4.5", 6" Boring

KUNDAN MARBLE & SANITATIONS
Near Holiday Home, Kanke Road, Ranchi-834008
E-mail : kundanmarble@gmail.com
Contact : 9334471800, 9472760801, 9334671802

हम एक कुटुंब हैं और हमारा एक भविष्य है : एस जयशंकर



प्रत्येक सदस्य के साथ मेल खाते समाधान तैयार हुए : निर्मला सीतारमण

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत की जी-20 अध्यक्षता ने ऐसे समाधान तैयार किये हैं, जो प्रत्येक सदस्य के लिए साझा राह प्रस्तुत करते हैं। बड़े, बेहतर, तथा अधिक प्रधारी बहुपक्षीय विकास बैंकों के लिए जी-20 में समझौता हुए है। क्रिटो परिसंपत्तियों पर स्पष्ट नीतियों के लिए वैशिक प्रयास में तेजी आयी है।

जी-20 से संबंधित खबरें पेज 03 और 12 पर भी देखें।

दुनिया ने देखा भारतीय अतिथि सत्कार का अंदाज

- कोणार्क चक्र, योग
मुद्राओं से लेकर
नटराज मूर्ति तक



भारत और इसके इतिहास का बोध करने के लिए कई प्रतीकों को भी लगाया गया है।

शनिवार को जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्व के नेताओं का स्वागत कर रहे थे, उस वक्त नटराज प्रतिमा, योग मुद्राओं से लेकर कोणार्क चक्र तक के दीवार की प्रमुख भी इसमें स्थिरकर कर रहे हैं। इसके कार्यक्रम का आयोजन प्रतिमा मैदान में इसमें था। जहाँ मेहमान इकट्ठा हुए हैं, वहाँ

मेहमानों को भारत मंडप के अंदर एक शानदार प्रतिमा से गुजरकर आयोजन स्थल पहुँचना था। मेहमान गाढ़ी छांडों के बीच लाल कालीन पर चले और दीवारों पर अंकित विभिन्न योग मुद्राओं को देखा। दीवार पर 32 अनिवार्य योग असन प्रदर्शित थे, जो कि घेरड संस्थान के 17वीं शताब्दी के उत्तरार्ध के पाठ से लिये गये थे। कोणार्क चक्र 13वीं शताब्दी की कलाकृति है। कोणार्क का सूर्य मंदिर अपनी पथर की मूर्तियों के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है।

FLORENCE
Group of Institutions
(A Unit of: Haji Abdur Razzaque
Educational Society)
Irba, Ranchi-835219 (Jharkhand)





अपनी 'मुहब्बत की दुकान' पर राहुल बेघ रहे 'नफरत का सामान'

■ पहले सेना की वीरता पर, और अब भारतीय व्यवस्था के खिलाफ उगल रहे जहर ■ जी-20 सम्मेलन के जरिये दुनिया कर रही भारत की जय-जय, तो कांग्रेस के युवराज एक बार फिर विदेश जाकर उठा रहे भारतीय व्यवस्था पर सवाल

यह कितनी बड़ी विडंबना है कि एक तरफ पूरी दुनिया जी-20 शिखर सम्मेलन को लेकर भारत की जय-जय कर रही है, तो दूसरी तरफ देश की सबसे पुणरी राजनीति पार्टी, कांग्रेस का एक शीर्षस्थ गढ़ देश का लोकतान्त्रिक व्यवस्था पर सवाल उठा रहा है। जी हाँ, हम बात कर रहे हैं कांग्रेस के युवराज राहुल गांधी की, जो इन दिनों बैलियम की राजधानी ब्रैसेल्स में यूरोपियन यूनियन के सांसदों से मिल रहे हैं और जहां-तहां भाषण दे रहे हैं। अपने पहले ही कार्यक्रम में राहुल ने भारत की लोकतान्त्रिक व्यवस्था और संवेधानिक संस्थाओं की सर्वोच्चता पर सवाल उठाया। जिस समय राहुल यह

जहर उगल रहे हैं, दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र जी-20 देशों के शिखर सम्मेलन में व्यस्त है और दुनिया भर में उसकी बैलियम, सांस्कृतिक और आर्थिक उपलब्धियों का डंका बज रहा है। यह पहली बार नहीं है, जब राहुल गांधी का भारत विशेषी स्टैंड सामने आया है। इससे पहले उन्होंने अमेरिका और ब्रिटेन में अपने भारत विशेषी स्टैंड का परिचय दिया था और फिर कशीब एक पखवाड़ा पहले उन्होंने

भारतीय सेना के पारक्रम पर भी सवाल उठाया था।

कांग्रेस के 'युवराज' ने आरोप लगाया था कि चीन भारत की मिली पर युद्ध की तौयारी कर रहा है

और भारत सरकार सोयी हुई है और खारे को नजर आंदोज करने की कोशिश कर रही है। 'भारत जोड़े यात्रा' के बाद समाज के विभिन्न वर्गों से मिलने-जुलने और दूसरे लोकप्रिय हथकंडे अपना कर खुद को 'पीएम मेटरियल' सावित करने की कोशिश में जुटे राहुल गांधी यह नहीं समझ रहे हैं कि भारत के लोग चाहे राजनीतिक रूप से कितने भी विभाजित कर्त्त्व न हों, सेना के पराक्रम और भारत की शक्ति को लेकर किसी सवाल को बद्दल नहीं कर सकते। राहुल गांधी ने इस तरह का स्टैंड लेकर कांग्रेस को ऐसे दलल में धकेल दिया है, जिससे बाहर निकल पाना उसके लिए आसान नहीं होगा। कुछ समय के लिए भले ही राहुल को समर्थन हासिल हो जाये, लैकिन दीर्घ अवधि के लिए उनका स्टैंड पूरी पार्टी के लिए हितकर नहीं होगा, क्योंकि कांग्रेस का ट्रैक रिकॉर्ड ऐसा ही है। राहुल गांधी के इसी स्टैंड का सियासी विश्लेषण कर रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संगवादाता सकैश रिंग।



राकेश सिंह

दुनिया भर के दिग्गज नेता जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए इस समय भारत में हैं, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 140 करोड़ लोगों का वह देश में जेनरेट करते हुए पीएम मुख्य मुद्रों से ध्यान भटकाने की कोशिश करते हैं।

राहुल गांधी के इस बयान को देखें, तो वह भारत में लोकतंत्र, अल्पसंख्यक और दलित, वर्धित व्यवस्थाकों के वह देश

में जेनरेट हुए हैं। अमेरिका और ब्रिटेन के बाद अब उनकी 'नफरत की दुकान' बैलियम पहुंच गयी है, जहां उन्होंने एक बार फिर भारत विशेषी बयानबाजी शुरू कर दी है। कांग्रेस के शीर्षस्थ नेता राहुल गांधी ने बैलियम की राजधानी ब्रैसेल्स में कहा कि भारत में बड़े पैमाने पर लोकतान्त्रिक संवधानों पर हमला हो रहा है। देश के विधान को बदलने की कोशिश हो रही है। अल्पसंख्यकों और दलितों पर हमले हो रहे हैं। सरकार दहशत में है और पीएम मुख्य मुद्रों से ध्यान भटकाने की कोशिश करते हैं।

राहुल गांधी के इस बयान को देखें, तो वह भारत में लोकतंत्र, अल्पसंख्यक और दलित, वर्धित व्यवस्थाकों के वह देश

में जेनरेट हुए हैं। अमेरिका और ब्रिटेन के बाद अब उनकी 'नफरत की दुकान' बैलियम पहुंच गयी है, जहां उन्होंने एक बार फिर भारत विशेषी बयानबाजी शुरू कर दी है। कांग्रेस के शीर्षस्थ नेता राहुल गांधी ने बैलियम की राजधानी ब्रैसेल्स में कहा कि भारत में बड़े पैमाने पर लोकतान्त्रिक संवधानों पर हमला हो रहा है। देश के विधान को बदलने की कोशिश हो रही है। अल्पसंख्यकों और दलितों पर हमले हो रहे हैं। सरकार दहशत में है और पीएम मुख्य मुद्रों से ध्यान भटकाने की कोशिश करते हैं।

राहुल गांधी के इस बयान को देखें, तो वह भारत में लोकतंत्र, अल्पसंख्यक और दलित, वर्धित व्यवस्थाकों के वह देश



यह भी कहते हैं कि सरकार दहशत में है। अगर सरकार दहशत में है, तो फिर वह किसी भी तरह का हमला कैसे कर सकती है? यह भी है कि कहीं ये हमले चीन परस्त विधक तो नहीं कि उनकी पार्टी ने इस देश में सबसे लंबे समय तक राज किया है। उनके सिपहसलालों की लंबी कैरियर और 'गुरु' सैम पिंतोवा भी उन्हें यह नहीं बताते कि देश में सबसे अधिक देशी और दलितों पर

करसर बाकी नहीं रखती। राहुल गांधी आज देश में अल्पसंख्यक और दलितों पर हो रहे हमलों की बात कर रहे हैं, लैकिन शायद उन्हें यह बाद नहीं कि उनकी पार्टी ने इस देश में सबसे लंबे समय तक राज किया है। उनके सिपहसलालों की लंबी कैरियर और 'गुरु' सैम पिंतोवा भी कल्पना भी शायद हो आ था। इन्हीं दंडों को लेकर राहुल गांधी के पिंतोवा और दलितों पर

ने कहा था कि जब बड़ा पेड़ पिंतोवा है, तो धरती हीलती है। कांग्रेस सरकार में दलितों के नसंहार की पुरी लिस्ट है। इस दौरान कांग्रेस कभी राज्य प्रधान भी नहीं रही है, जिनमें राजधानी दिल्ली समेत देश भर के कई हिस्सों में सत्ता में रही है। कई राज्यों के बीच लंबी समय वर्तमान दल भी भेजने का कल्पना भी आवृद्ध में सिखों का कल्पना आम हुआ था। इन्हीं दंडों को लेकर राहुल गांधी के पिंतोवा और दलितों पर

ने कहा था कि जब बड़ा पेड़ पिंतोवा है, तो धरती हीलती है। कांग्रेस सरकार में दलितों के नसंहार की पुरी लिस्ट है। इस दौरान कांग्रेस कभी राज्य प्रधान भी नहीं रही है, जिनमें राजधानी दिल्ली समेत देश भर के कई हिस्सों में सत्ता में रही है। कई राज्यों के बीच लंबी समय वर्तमान दल भी भेजने का कल्पना आम हुआ था। इन्हीं दंडों को लेकर राहुल गांधी के पिंतोवा और दलितों पर

ने कहा था कि जब बड़ा पेड़ पिंतोवा है, तो धरती हीलती है। कांग्रेस सरकार में दलितों के नसंहार की पुरी लिस्ट है। इस दौरान कांग्रेस कभी राज्य प्रधान भी नहीं रही है, जिनमें राजधानी दिल्ली समेत देश भर के कई हिस्सों में सत्ता में रही है। कई राज्यों के बीच लंबी समय वर्तमान दल भी भेजने का कल्पना आम हुआ था। इन्हीं दंडों को लेकर राहुल गांधी के पिंतोवा और दलितों पर

ने कहा था कि जब बड़ा पेड़ पिंतोवा है, तो धरती हीलती है। कांग्रेस सरकार में दलितों के नसंहार की पुरी लिस्ट है। इस दौरान कांग्रेस कभी राज्य प्रधान भी नहीं रही है, जिनमें राजधानी दिल्ली समेत देश भर के कई हिस्सों में सत्ता में रही है। कई राज्यों के बीच लंबी समय वर्तमान दल भी भेजने का कल्पना आम हुआ था। इन्हीं दंडों को लेकर राहुल गांधी के पिंतोवा और दलितों पर

ने कहा था कि जब बड़ा पेड़ पिंतोवा है, तो धरती हीलती है। कांग्रेस सरकार में दलितों के नसंहार की पुरी लिस्ट है। इस दौरान कांग्रेस कभी राज्य प्रधान भी नहीं रही है, जिनमें राजधानी दिल्ली समेत देश भर के कई हिस्सों में सत्ता में रही है। कई राज्यों के बीच लंबी समय वर्तमान दल भी भेजने का कल्पना आम हुआ था। इन्हीं दंडों को लेकर राहुल गांधी के पिंतोवा और दलितों पर

ने कहा था कि जब बड़ा पेड़ पिंतोवा है, तो धरती हीलती है। कांग्रेस सरकार में दलितों के नसंहार की पुरी लिस्ट है। इस दौरान कांग्रेस कभी राज्य प्रधान भी नहीं रही है, जिनमें राजधानी दिल्ली समेत देश भर के कई हिस्सों में सत्ता में रही है। कई राज्यों के बीच लंबी समय वर्तमान दल भी भेजने का कल्पना आम हुआ था। इन्हीं दंडों को लेकर राहुल गांधी के पिंतोवा और दलितों पर

ने कहा था कि जब बड़ा पेड़ पिंतोवा है, तो धरती हीलती है। कांग्रेस सरकार में दलितों के नसंहार की पुरी लिस्ट है। इस दौरान कांग्रेस कभी राज्य प्रधान भी नहीं रही है, जिनमें राजधानी दिल्ली समेत देश भर के कई हिस्सों में सत्ता में रही है। कई राज्यों के बीच लंबी समय वर्तमान दल भी भेजने का कल्पना आम हुआ था। इन्हीं दंडों को लेकर राहुल गांधी के पिंतोवा और दलितों पर

ने कहा था कि जब बड़ा पेड़ पिंतोवा है, तो धरती हीलती है। कांग्रेस सरकार में दलितों के नसंहार की पुरी लिस्ट है। इस दौरान कांग्रेस कभी राज्य प्रधान भी नहीं रही है, जिनम

10 सितंबर, 2023
भाद्रपद, कृष्ण पक्ष, एकाशी
सवत 2030
पृष्ठ 12, मूल्य ₹ 3.00

रांगी

राजिवार, वर्ष 08, अंक 321

जी 20 में शामिल करने के बाद पीएम मोदी से गले मिलते अप्रीकेन यूनियन के अध्यक्ष अजाली असैमनी।

आजाद सिपाही

कलम कलम बढ़ाये जा



न्यूज रील्स

मोरक्को में 7.2 तीव्रता का भूकंप, 1,037 की मौत
रहात/मारकेश। अप्रीकी देश मारको में भूकंप से अब तक 1,037 लोगों की मौत हो चुकी है। 672 लोगों की मौत हो चुकी है। मारको में योगेजाकिल सेटर ने बताया कि भूकंप की तीव्रता 7.2 थी। यह शुक्रवार की दो रात आया। हालांकि वर्तीयोगिकल सर्वे ने इसकी तीव्रता 6.8 बतायी है। साथ ही कहा कि ये इस इनाकर में 120 साल में आया सबसे ताकतवर भूकंप है।

राजद्रोह कानून पर सुप्रीम कोर्ट में 12 को सुनवाई
नवी दिल्ली। 152 साल पुराने राजद्रोह कानून की चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 12 सितंबर को सुनवाई दी। इस मामले की सुनवाई दी जाने वाली याचिका पर चौथा बड़ा घटना है। जरिट्स जेवी पारदीवाला और जरिट्स मलोज गिल्ला की बंध करेगी। इससे पहले 1 मई को केंद्र सरकार की योग्यता को स्थापित करने वाली आईपीसी की धारा 124ए की समीक्षा की जा रही है। इसके बाद कोर्ट ने सुनवाई स्थिति कर दी थी।

आंध के पूर्व मुख्यमंत्री घंडबाबू नायडु गिरफतार
बंदरगाह। आंध प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री घंडबाबू नायडु को सिल्वल डेलपमेंट स्कैम में शनिवार 6 बजे बंदरगाह शहर से गिरफतार कर लिया गया। आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंवार जारी किया था। मामला लगभग 550 कोरेंड रुपये घोटाले से जुड़ा हुआ है।

मेहमानों को मिला शाकाहारी भोजन

- कठमीरी कहवा, दार्जिलिंग धारा शामिल
- वेलक्रम स्टेज के बैकग्राउंड में नालंदा यूनिवर्सिटी की झलक



सीएम हेमंत सोरेन रात्रिभोज में हुए शामिल

रांगी (आजाद सिपाही)। जी-20 के लिए राष्ट्रपति द्वारा पुरुष मूर्मु द्वारा आयोजित रात्रिभोज में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी स्वीकृति की दी गयी है। जो भोजन का भेद्यु यूसुधेव कुटुंबकम एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य की भावना की समर्पित किया गया है।

इसमें कश्यपी कहवा, दार्जिलिंग की धारा, अंजीर-आदू, मुरब्बा सहित देशभक्ति की कई मशहूर डिश को शामिल किया गया है।

रात्रि भोजन पर शाम की कीरीब आठ बजे से भारत मंडपमें मेहमानों के आने का सिलसिला शुरू हुआ। इनका स्वागत इस बार नालंदा यूनिवर्सिटी के बैकग्राउंड के सामने किया जा रहा है। भोजन में यहाँ बोजन को हो गया है। इस अहम बैठक के दूनियाभर के राष्ट्राध्यक्षों, डेलीगेट्स, भारत के सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शनिवार को दोपहर 11.40 में नवी दिल्ली के

लिए रवाना हुए। वह रात में राष्ट्रपति के रात्रिभोज में शामिल हुए।

वाला भोज पहले से तय किसी कार्यक्रम के योग्यता प्रोटोकॉल का का अहम दौर शनिवार की दोपहर को हो गया। इस अहम बैठक के बाद आयोजित रात्रि भोज का महत्व भी कम नहीं है। जानकारों का कहना है कि किसी भी बड़े कार्यक्रम में आयोजित किया जाने

जी 20: अकेले पड़ा चीन भी हुआ नरम

- प्रधानमंत्री की कूटनीतिक रणनीति हुई कामयाब

आजाद सिपाही संवाददाता

नवी दिल्ली। जी-20 शिखर सम्मेलन में भारत ने अपनी अगुवाई में ग्लोबल साउथ की शानदार कूटनीतिक परी खेली। 'एक पूर्वी' को समर्पित सत्र में प्रधानमंत्री का दृष्टिकोण का दृष्टिकोण सफलता माना जा रहा है। इसे प्रधानमंत्री में ग्लोबल साउथ की बाटी का इकाई बताया जा रहा है। दिल्लिमप है कि इस ग्लोबल साउथ की सोच में पर्दित जवाहर लाल नेहरू के दौर के निर्माण आंदोलन की भी झलक मिलती है।

आठ सितंबर को जी-20 शेरपा अभियान कांत के आयोजित रवाना में 09 और 10 सितंबर के सम्मेलन की पूरी जांच नहीं जारी की रखा गया।



सितंबर की सुबह वही हुआ। भारत ने ग्लोबल साउथ को जी-20 में शामिल करके वसुष्ठव आशवासन दिया है। माना जा रहा है कि यह स्थिति भारत के स्पष्ट मंदिर के बाद रख रखा है। भारत ने संविधान के साथ गहराते रितेके साकेत दिया है। कूटनीति की यह लाइन कहीं न कहीं चीन को बड़ा झटका दे रही है। हालांकि सऊदी अरब जैसे कई देश चीन के करीब आ रहे हैं, लेकिन इसके साथ पूरी दुनिया की जियोपॉलिटिक्स नया संकेत भी रही है।

चीन ने भी की तारीफ, पड़ा नरम

जी-20 के तेवर और अर्थ भोजन की रखते देखकर चीन ने जी-20 के दूसरे संदेश के विवर किया है। कुछ हद

भारत मंडपम के 77 मिनट से दुनिया को गया यह संदेश

आजाद सिपाही संवाददाता

नवी दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संघरण के महानिंदेशक टेंट्रोप में एडेंस जब छड़ी लेकर पैरों को सहारा देते हुए, भारत मंडपम में 80 फोसदी आबदी और तकरीबन इन्होंने ही ग्लोबल इकॉनॉमी को कंट्रोल करते हैं। रात्रिभोज में तमाम देशों के कुछ आपसी तीर पर उलझे हुए मुख्यों को सुलझाने के लिए बड़ा मंडपम भी सावित होते हैं। रात्रि भोज की रात भारत मंडपम में आयोजित किया जाने वाला भोज भी कई मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। रात्रिभोज में नेताओं के बीच में अनौपचारिक बातचीत ही होती, लेकिन अलग-अलग देशों के बड़े बड़े नेताओं की शरकत करते के चलते डिल्लोंमेटिक मामलों को सुलझाने के साथ रिश्तों को बनाने और आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण सावित होता है। इसी तरह जब

जर्मन चांसलर ओलाफ श्लॉज ने नवी दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संघरण के महानिंदेशक टेंट्रोप में एडेंस जब छड़ी लेकर पैरों को सहारा देते हुए, भारत मंडपम में 80 फोसदी आबदी और तकरीबन इन्होंने ही ग्लोबल इकॉनॉमी को कंट्रोल करते हैं। रात्रिभोज में तमाम देशों के कुछ आपसी तीर पर उलझे हुए मुख्यों को सुलझाने के लिए बड़ा मंडपम भी सावित होते हैं। रात्रि भोज की रात भारत मंडपम में आयोजित किया जाने वाला भोज भी कई मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। रात्रिभोज में नेताओं के बीच में अनौपचारिक बातचीत ही होती है। लेकिन अलग-अलग देशों के बड़े बड़े नेताओं की शरकत करते के चलते डिल्लोंमेटिक मामलों को सुलझाने के साथ रिश्तों को बनाने और आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण सावित होता है। इसी तरह जब

विदेशी मामलों के जानकारों का कहना है कि प्रधानमंत्री ने अंदिल रवैया देने का साथ-साथ हर व्यक्ति की दिलाल दिया है। इसी तरह जर्मन चांसलर ओलाफ श्लॉज ने अपने 77 मिनट के इस स्वागत समारोह में जी-20 में शिरकत करने वाले आयोजित रवैयों से निर्माण होता है। जो आयोजित रवैयों में जी-20 में शिरकत करने वाले आयोजित रवैयों से निर्माण होता है। जी-20 में शिरकत करने वाले आयोजित रवैयों में जी-20 में शिरकत करने वाले आयोजित रवैयों से निर्माण होता है।

विदेशी मामलों के जानकारों का कहना है कि प्रधानमंत्री ने अंदिल रवैया देने का साथ-साथ हर व्यक्ति की दिलाल दिया है। इसी तरह जर्मन चांसलर ओलाफ श्लॉज ने अपने 77 मिनट के इस स्वागत समारोह में जी-20 में शिरकत करने वाले आयोजित रवैयों से निर्माण होता है। जी-20 में शिरकत करने वाले आयोजित रवैयों से निर्माण होता है। जी-20 में शिरकत करने वाले आयोजित रवैयों से निर्माण होता है। जी-20 में शिरकत करने वाले आयोजित रवैयों से निर्माण होता है। जी-20 में शिरकत करने वाले आयोजित रवैयों से निर्माण होता है। जी-20 में शिरकत करने वाले आयोजित रवैयों से निर्माण होता है। जी-20 में शिरकत करने वाले आयोजित रवैयों से निर्माण होता है।

हजारीबाग के जिला स्कूल मैदान में आयोजित रैली में उमड़ा जनसैलाब हेमंत सरकार नीति ऐसी बनाती है, जो न्यायालय में फंस जाये: बाबूलाल मरांडी



यह सरकार स्थानीय नीति और अपेक्षायक नीति के बाबत बोला है। सरकार ने इसके सामने आयोजित रैली को अप्रीकी देश के सामने आयोजित किया गया है। इसमें बाबूलाल मरांडी की बोला है।

यह सरकार स्थानीय नीति और अपेक्षायक नीति के बाबत बोला है। सरकार ने इसके सामने आयोजित रैली को अप्रीकी देश के सामने आयोजित किया गया है। इसमें बाबूलाल मरांडी की बोला है।

यह सरकार स्थानीय नीति और अपेक्षायक नीति के बाबत बोला है। सरकार ने इसके सामने आयोजित रैली को अप्रीकी देश के सामने आयोजित किया गया है। इसमें बाबूलाल मरांडी की बोला है।

</div

घनबाद/बोकारो/बेटमो/ओड़िशा

जोगता में कोयला तस्करों के बीच वर्षस्व को लेकर संघर्ष, गोलीबारी में एक युवक घायल, हालत गंभीर

एक किशोर की मौत होने की सूचना, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। आजाद सिपाही संवाददाता

कतरास। जोगता थाना क्षेत्र के सिजुआ 10 नंबर मोड में शनिवार की शाम कोयले के काले कारोबार में वर्चस्व कायम करने को लेकर तस्करों के दो पक्षों के बीच जमकर गोलीबारी हुई, जिसमें एक युवक को गोली लगी है। आनन-फानन में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसकी स्थिति गंभीर बताई जा रही है। दूसरी ओर, घटना के बाद आक्रोशित स्थानीय लोगों ने सिजुआ सकलदेव सिंह चौक पर सड़क जाम कर पुलिस प्रशासन

आक्रोशित लोगों ने सड़क पर टायर जलाकर किया जाम, पुलिस-प्रशासन के खिलाफ की नारेबाजी



के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इसकी सूचना पाकर कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंच स्थिति को समाचार लिखे जाने तक इसकी

गोली लगने वाले युवक की मौत की सूचना पर स्थानीय लोगों में काफी आक्रोश व्याप्त है। हालांकि शिकायत ही दर्ज करवाई है। नानकरा के अनुसार सिजुआ

मोड सकलदेव सिंह चौक पर शनिवार की शाम अवैध कोयला कारोबारियों के बीच 15 रात डंगोली चढ़ी। घटना में 17 वर्षीय

साधिल खान नामक एक किशोर को गोली लगी है जिसे परिजनों ने किसी निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसकी मौत होने की

सूचना फैलते ही आक्रोशित लोगों ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सड़क जाम कर दिया। आनन-फानन पर काफी संख्या में लोगों की भीड़ जमी हुई है।

दुखद : गोताखोर बुलाने की मांग को लेकर स्थानीय लोगों ने किया सड़क जाम, मौसी के घर आये थे घूमने

बराकर नदी में ढूबने से भूली के युवक की मौत, ग्रामीणों ने एक को बचाया

आजाद सिपाही संवाददाता

चिरकुंडा। चिरकुंडा थाना क्षेत्र अंतर्गत बराकर नदी में शनिवार की सुबह नहाने गए दो युवक के ढूब जाने और प्रशासन द्वारा गोताखोरों को समय पर नहीं बुलाने से नाराज परिजन एवं स्थानीय लोगों ने चिरकुंडा बराकर को जोड़े वाली ब्रिज को जाम कर प्रदर्शन किया। आक्रोशित लोगों ने टायर जलाकर चिरकुंडा पुलिस के खिलाफ जमकर नारे बाजी की। इसकी सूचना पाकर आक्रोशित लोगों ने चिरकुंडा बराकर नदी में ढूबने से भूली के युवक की मौत, ग्रामीणों ने एक को बचाया।



नदी से शव को बाहर निकालने गोताखोर-ग्रामीण।

कुमार सिंह दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और जल्द ही गोताखोरों

को बुलाकर ढूबे युवकों को बाहर निकलवाने का आश्वासन दिया जिसके बाद आक्रोशित लोग माने और सड़क से हटे। पुलिस से मिली जानकारी को बुलाने के मुताबिक धनबाद के भूली निवासी गोताखोर नहीं चंचकर गोताखोरों को बुलाने के बाद परिजन का अपनी मौसी के घर आये थे। शनिवार की सुबह दोनों नहाने वराकर नदी गए थे। नहाने के क्रम में दोनों नदी में ढूब गए। वहां मौजूद स्थानीय लोगों ने दोनों को ढूबता देख बचाने में जुट गए।

स्थानीय लोगों की मदद से गणेश दास को जिंदा बाहर निकाल लिया गया पर राजीव दास ढूब गया। इसके बाद परिजन चिरकुंडा थाना पहुंचकर गोताखोरों को बुलाने के प्रतियोक प्रस्तुति कर रहे हैं उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्हें मजदूरों की हक की लडाई लड़ रहे जनता श्रमिक संघ (जब्रिय) के पदाधिकारियों पर बिना किसी साक्ष्य और बिना जांच के पुलिस झूठे के सदैव लड़ाई है। उक्त आरोप जब्रिय की स्वतंत्र महामंडी गोताखोरों ने लगाया तथा शव को नदी से बाहर निकाल दिया गया।

जश्रसं के पदाधिकारियों पर बिना किसी साक्ष्य-जांच के झूठे के सदैव राही पुलिस : रागिनी

संवाददाता सम्मेलन कर बीसीसीएल व टेकेडार पर पुलिस से बिलकर मजदूरों का शोषण का लगाया आरोप



जश्रसं समर्थकों के साथ संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करती राणीनी सिंह।

दुर्गा मंदिर प्रगणण में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रही थी। उहोंने कहा कि जश्रसं के प्रबंधन और टेकेडार प्रशासन के साथ मिलकर सत्ता के दबाव में मजदूरों का शोषण कर रहे हैं। उहोंने डराया धमकाया जा रहा है। जो मजदूर नियोजन की मांग को लेकर बीसीसीएल व टेकेडार पर अतिरिक्त स्थानीय लोगों को उहोंने एवं राजीव दास और राजीव दास उर्फ छोटू चिरकुंडा के दास पाड़ा स्थिर अपनी मौसी के घर आये थे। शनिवार की सुबह दोनों नहाने वराकर नदी गए थे। नहाने के क्रम में दोनों नदी में ढूब गए। वहां मौजूद स्थानीय लोगों ने चिरकुंडा-बराकर पुल को जाम कर दिया। इसके बाद मौके पर पहुंचे गोताखोरों की मदद से गोताखोरों को ढूबता देख बचाने के नदी से बाहर निकाल दिया गया।

जश्रसं समर्थकों के साथ संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करती राणीनी सिंह। जारी होगा। उहोंने कहा कि वह जल्द ही इस मामले में धनबाद के वरीय पुलिस अधीकारी संघीय कुमार द्वारा इन विषयों को उनके समझ रखेंगी और नियम जांच के पुलिस से जेल भेज दिया। जांच की मांग कोरेंगी। मौके पर सुरेंद्र सिंह, बिंदु उपाय्या, सर्वेंद्र केवट, कलाश विश्वकर्मा, मुकेश पासवान, राम पासवान, रवि पासवान, नितेश रवानी, लक्ष्मी देवी, ज्योति देवी, नितेश वादव, शुभम कुमार, मुन्नी देवी, रीता देवी, सुंदरी उत्तर, रिंकी देवी आदि मौजूद होंगी।

महत्वपूर्ण न्यूज

करतारसगढ़ स्टेशन पर पांच ट्रेनों का शुरू हुआ पुनःठहराव, आंदोलनकारियों ने मनायी खुशी



करतारस (आजाद सिपाही)। दीर्घी रेल लाईन के करतारसगढ़ स्टेशन पर पांच ट्रेनों का पुनःठहराव शुरू होने हाने से आंदोलनकारियों सहित आम नागरिकों में खुशी की लहर है। बताते चले कि लंबे समय तक आंदोलन कर वहां के आम नागरिकों ने पुनःठीरी रेल लाईन चालू करने का दबाव बनाया जिस कारण वर्तमान में उक्त रेल लाईन चालू है। शनिवार से करतारसगढ़ रेलवे स्टेशन पर वरानांचल एक्सप्रेस, हटिया-पटना पाठलिपुत्र एक्सप्रेस, रांची-गोदाम एक्सप्रेस, रांची-गोदाम एक्सप्रेस, कोलकाता-अहमदाबाद एक्सप्रेस, कोलकाता-मदर एक्सप्रेस का ठहराव शुरू हुआ। जिसको लेकर करतारसगढ़ रेलवे स्टेशन पर रेल आंदोलनकारियों ने खुशी मनायी। मिठाईया वाटी गई। उपरिथित लोगों ने कहा कि करतारस की जनराने होने रेल के लिए राजीव दास से समय तक आंदोलन करतारसगढ़ रेलवे स्टेशन पर वरानांचल एक्सप्रेस, हटिया-पटना पाठलिपुत्र एक्सप्रेस, रांची-गोदाम एक्सप्रेस, कोलकाता-मदर एक्सप्रेस का ठहराव शुरू हुआ। जिसको लेकर करतारसगढ़ रेलवे स्टेशन पर रेल आंदोलनकारियों ने खुशी मनायी। मिठाईया वाटी गई। उपरिथित लोगों ने कहा कि करतारस की जनराने होने रेल के लिए राजीव दास से समय तक आंदोलन करतारसगढ़ रेलवे स्टेशन पर वरानांचल एक्सप्रेस, हटिया-पटना पाठलिपुत्र एक्सप्रेस, रांची-गोदाम एक्सप्रेस, कोलकाता-मदर एक्सप्रेस का ठहराव शुरू हुआ। जिसको लेकर करतारसगढ़ रेलवे स्टेशन पर रेल आंदोलनकारियों ने खुशी मनायी। मिठाईया वाटी गई। उपरिथित लोगों ने कहा कि करतारस की जनराने होने रेल के लिए राजीव दास से समय तक आंदोलन करतारसगढ़ रेलवे स्टेशन पर वरानांचल एक्सप्रेस, हटिया-पटना पाठलिपुत्र एक्सप्रेस, रांची-गोदाम एक्सप्रेस, कोलकाता-मदर एक्सप्रेस का ठहराव शुरू हुआ। जिसको लेकर करतारसगढ़ रेलवे स्टेशन पर रेल आंदोलनकारियों ने खुशी मनायी। मिठाईया वाटी गई। उपरिथित लोगों ने कहा कि करतारस की जनराने होने रेल के लिए राजीव दास से समय तक आंदोलन करतारसगढ़ रेलवे स्टेशन पर वरानांचल एक्सप्रेस, हटिया-पटना पाठलिपुत्र एक्सप्रेस, रांची-गोदाम एक्सप्रेस, कोलकाता-मदर एक्सप्रेस का ठहराव शुरू हुआ। जिसको लेकर करतारसगढ़ रेलवे स्टेशन पर रेल आंदोलनकारियों ने खुशी मनायी। मिठाईया वाटी गई। उपरिथित लोगों ने कहा कि करतारस की जनराने होने रेल के लिए राजीव दास से समय तक आंदोलन करतारसगढ़ रेलवे स्टेशन पर वरानांचल एक्सप्रेस, हटिया-पटना पाठलिपुत्र एक्सप्रेस, रांची-गोदाम एक्सप्रेस, कोलकाता-मदर एक्सप्रेस का ठहराव शुरू हुआ। जिसको लेकर करतारसगढ़ रेलवे स्टेशन पर रेल आंदोलनकारियों ने खुशी मनायी। मिठाईया वाटी गई। उपरिथित लोगों ने कहा कि करतारस की जनराने होने रेल के लिए राजीव दास से समय तक आंदोलन करतारसगढ़ रेलवे स्टेशन पर वरानांचल एक्सप्रेस, हटिया-पटना पाठलिपुत्र एक्सप्रेस, रांची-गोदाम एक्सप्रेस, कोलकाता-मदर एक्सप्रेस का ठहराव शुरू हुआ। जिसको लेकर करतारसगढ़ रेलवे स्टेशन पर रेल आंदोलनकारियों ने खुशी मनायी। मिठाईया वाटी गई। उपरिथित लोगों ने कहा कि करतारस की जनराने होने रेल के लिए राजीव दास से समय तक आंदोलन करतारसगढ़ रेलवे स्टेशन पर वरानांचल एक्सप्रेस, हटिया-पटना पाठलिपुत्र एक्सप्रेस, रांची-गोदाम एक्सप्रेस, कोलकाता-मदर एक्सप्र

जी-20 विशेष



जी 20 : दुनिया ने सराहा भारत के वस्तुधैव कुटुंबकम का मंत्र



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत मंडपम में मेहमानों का स्वागत करते हुए।

सुनक ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए किया सतत विकास का आह्वान

आजाद सिपाही संवाददाता

नवी दिल्ली। दुनिया के शीर्ष नेताओं ने जलवायु में सहित विश्व के समक्ष मौजूद विभिन्न चुनौतियों से निपटने की तराफ़ आवश्यकता होने का आह्वान किया। क्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा कि जी20 नेता वित्तीय संकट के बाद वैश्विक

वैश्विक मुहिम के लिए एक कार्य बल बनाया जायेगा: सिल्वा

नवी दिल्ली (आजाद सिपाही)। ब्राजील के राष्ट्रपति तुड़ज इनासियो लूला डा सिल्वा ने कहा कि उनके देश की जी20 अध्यक्षता के दौरान जलवायु परिवर्तन के खिलाफ़ वैश्विक मुहिम के लिए एक कार्य बल बनाया जाएगा। हम शमन, अनुकूलन, हानि और क्षति तथा वित्तोषण के बीच संतुलित जलवायु एंजेंड के साथ, ग्रह की स्थिता और लोगों की स्थिति करते हुए 2025 में 'सीओपी 30' तक पहुंचना चाहते हैं।

विकास को बढ़ावा करने के लिए 15 साल पहले पहली बार एक साथ आए थे। हम अब अत्यधिक चुनौतियों वाले समय में मिल रहे हैं। डुनिया नेतृत्व प्रदान करने के लिए एक बार, फिर जी20 की ओर स्वागत कर रहे थे, वहां बैक्याउंड में कोणार्क मंदिर का समाना मिलकर इन चुनौतियों का समाना कर सकते हैं।

ब्रिटिश पीएम सुनक की पली अक्षता ने फुटबॉल खेली बाइडेन ने मोदी से समझा कोणार्क चक्र

आजाद सिपाही संवाददाता

नवी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

जर्मनी के चांसलर ओलाफ़ शोल्ज की आख पर लगी

वहां पहुंचे तो मोदी ने स्वागत किया। बाइडेन की नजर चक्र पर पड़ी तो पीएम उनका हाथ उमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन

बताने लगे। बाइडेन भी उनकी बात सुनते नजर आये।

दो दिन की इस समिट में ऐसे और कई शॉप रहे, जिनकी चर्चा हो रही है। जैसे मोदी ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और उनका पली अक्षता सुनक ने ब्रिटेन को लगाया। जर्मनी के चांसलर हेडकॉर्टर में एक स्थानीय स्कूल के बच्चों के साथ कुछ बच्चे बिताये। उनसे बातचीत की और फुटबॉल भी खेली।

जी-20 में देश के नाम की पट्टी पर भी 'भारत'

स्मृति इरानी बोलीं, ये उम्मीद और विश्वास का नया नाम

ये पहला मौका है जब किसी अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में प्रधानमंत्री की सीट के सामने देश का नाम इंडिया नहीं लिया गया है।

आजाद सिपाही संवाददाता
नवी दिल्ली। जी 20 समिट नवी दिल्ली में शुरू हो गयी। इस कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत मंडपम में जब उद्घाटन भाषण दिया, तो जो



तस्वीर सामने आयी उसने सबका ध्यान खींचा। पीएम मोदी के आगे

देश का नाम 'भारत' लिखा था। ये पहला मौका है जब किसी अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में प्रधानमंत्री की सीट के सामने देश का नाम इंडिया नहीं लिखा गया है। पिछली जी20 बैठक इंडोनेशिया के बाली में 14 से 16 नवंबर को हुई थी। तब पीएम मोदी के आगे देश का नाम इंडिया ही लिखा था। इस मौके पर स्मृति इरानी ने पीएम की तरवीर शेरकर करके कहा कि उमेरिद और विश्वास का नाम-भारत।

दिल्ली में राज्यपालों-मुख्यमंत्रियों की हवाई यात्रा पर प्रतिबंध नहीं गहलोत-बघेल की आपति के बाद मंत्रालय ने दी सफाई

आजाद सिपाही संवाददाता

नवी दिल्ली। दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन चल रहा है, दुनिया के तमाम बड़े नेताओं का जयपुर राज्यपालों और मुख्यमंत्रियों की अपने राज्य के विमान से दिल्ली या इसके आसपास के राजस्थान के सीमानां अरोक गहलोत ने दिल्ली में उनके हलिकांटर की लैंडिंग की इजाजत नहीं दिल्ली का दावा किया, जिसको केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शनिवार को खालिकर कर दिया।

गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि गृह मंत्रालय ने राज्य को स्पष्ट किया है कि 8-11 सितंबर 2023 को दिल्ली में जी20 नेताओं के

कोई प्रतिबंध नहीं है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शनिवार को बयान जारी कर कहा कि जौन्यो दिनों में राज्यपालों और मुख्यमंत्रियों को उनके राज्य के विमान से दिल्ली या इसके आसपास के राजस्थान के सीमानां अरोक गहलोत ने दिल्ली में उनके हलिकांटर की लैंडिंग की इजाजत नहीं दिल्ली में उनको कोई प्रतिबंध नहीं है। जौन्यो दिनों में राज्यपालों और मुख्यमंत्रियों को इसके विमान से दिल्ली या इसके आसपास के राजस्थान के सीमानां अरोक गहलोत ने दिल्ली में उनके हलिकांटर की लैंडिंग की इजाजत नहीं दिल्ली का दावा किया, जिसको केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शनिवार को खालिकर कर दिया।

गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि गृह मंत्रालय ने राज्य को स्पष्ट किया है कि 8-11 सितंबर 2023 को दिल्ली में जी20 नेताओं के

मंजूरी देने से इनकार करने का दावा किया है। राजस्थान के सीएम की तरफ से सीक समेत उड़ान अनुमति के लिए चार अनुरोध प्राप्त हुए थे और सभी को गृह मंत्रालय की तरफ से अनुमति दिल्ली के सीक नियमित इंडिया ने आयोग के बाउलों में आयोग की सभी नियमित उड़ानों और राज्यपालों और राज्य के मुख्यमंत्रियों को असमर्थता दी। जौन्यो दिनों में आयोग की सभी नियमित उड़ानों और राज्यपालों और राज्य के मुख्यमंत्रियों को असमर्थता दी। जौन्यो दिनों में आयोग की सभी नियमित उड़ानों को एसएचएस के विमानों पर आयोग की अनुमति है। नियमित उड़ानों को एसएचएस के विमानों पर आयोग की अनुमति है।

शिखर सम्मेलन के लिए एक उच्च तकनीक सुरक्षा हवाई कवर तैयार किया गया है, राज्यपालों और राज्य के मुख्यमंत्रियों को उनके राज्य के विमान से दिल्ली या इसके आसपास के राजस्थान के सीमानां अरोक गहलोत ने दिल्ली में उनके हलिकांटर की लैंडिंग की इजाजत नहीं दिल्ली में उनको कोई प्रतिबंध नहीं है। इससे पहले, छत्तीसगढ़ के कारण नहीं लगाया गया है, लेकिन नियमित उड़ानों में यात्रा करने वालों को पूर्वानुमति की आवश्यकता होती है।

इससे पहले, छत्तीसगढ़ के कारण नहीं लगाया गया है, लेकिन नियमित उड़ानों में यात्रा करने वालों को पूर्वानुमति की आवश्यकता होती है।

गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि गृह मंत्रालय ने राज्य को स्पष्ट किया है कि 8-11 सितंबर 2023 को दिल्ली में जी20 नेताओं के

मंजूरी देने से इनकार करने का दावा किया है। राजस्थान के सीएम की तरफ से सीक समेत उड़ान अनुमति के लिए चार अनुरोध प्राप्त हुए थे और सभी को गृह मंत्रालय की तरफ से अनुमति दिल्ली के सीक नियमित उड़ानों और राज्यपालों और राज्य के मुख्यमंत्रियों को असमर्थता दी। जौन्यो दिनों में आयोग की सभी नियमित उड़ानों को एसएचएस के विमानों पर आयोग की अनुमति है। नियमित उड़ानों को एसएचएस के विमानों पर आयोग की अनुमति है।

गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि गृह मंत्रालय ने राज्य को स्पष्ट किया है कि 8-11 सितंबर 2023 को दिल्ली में जी20 नेताओं के

मंजूरी देने से इनकार करने का दावा किया है। राजस्थान के सीएम की तरफ से सीक समेत उड़ान अनुमति के लिए चार अनुरोध प्राप्त हुए थे और सभी को गृह मंत्रालय की तरफ से अनुमति दिल्ली के सीक नियमित उड़ानों और राज्यपालों और राज्य के मुख्यमंत्रियों को असमर्थता दी। जौन्यो दिनों में आयोग की सभी नियमित उड़ानों को एसएचएस के विमानों पर आयोग की अनुमति है। नियमित उड़ानों को एसएचएस के विमानों पर आयोग की अनुमति है।

गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि गृह मंत्रालय ने राज्य को स्पष्ट किया है कि 8-11 सितंबर 2023 को दिल्ली में जी20 नेताओं के

मंजूरी देने से इनकार करने का दावा किया है। राजस्थान के सीएम की तरफ से सीक समेत उड़ान अनुमति के लिए चार अनुरोध प्राप्त हुए थे और सभी को गृह मंत्रालय की तरफ से अनुमति दिल्ली के सीक नियमित उड़ानों और राज्यपालों और राज्य के मुख्यमंत्रियों को असमर्थता दी। जौन्यो दिनों में आयोग की सभी नियमित उड़ानों को एसएचएस के विमानों पर आयोग की अनुमति है। नियमित उड़ानों को एसएचएस के विमानों पर आयोग की अनुमति है।

गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि गृह मंत्रालय ने राज्य को स्पष्ट किया है कि 8-11 सितंबर 2023 को दिल्ली में जी20 नेताओं के

मंजूरी देने से इनकार करने का दावा किया है। राजस्थान के सीएम की तरफ से सीक समेत उड़ान अनुमति के लिए चार अनुरोध प्राप्त हुए थ